

भीमबेटका रॉक पेंटिंग और आश्रय पर हुआ वेबिनार

चर्चा में क्यों?

हाल ही में पर्यटन मंत्रालय द्वारा वर्ल्ड हेरिटेज साइट और वशिव की सबसे पुरानी रॉक पेंटिंग में से एक भीमबेटका रॉक पेंटिंग और आश्रय पर वेबिनार आयोजित किया गया।

प्रमुख बंदि

इस वेबिनार में देश और प्रदेश के गाइड, पुरातत्त्ववदि तथा इतहिस प्रेमथिं ने हसिसा लथि।

- वेबिनार में सेंटरल इंडथि के रीजनल गाइड भोपाल के अजय सहि चौहान ने बतथि कथि भीमबेटका रॉक पेंटिंग में 4 कलर (लाल, सफेद, हरा और पीले) का उपयोग कथि गथि है। ये सभी कलर पत्तथिं, पत्थर, हेमेटाइट आदि प्राकृतिक स्रोतों से बनाये गए हैं।
- भीमबेटका में नृत्य और संगीत, बॉडी आर्ट, आखेट और पशुओं को चित्रित कथि गथि है। इस प्रकार की पेंटिंग्स को पकिटोग्राफ कहा जथि है।
- भीमबेटका रॉक पेंटिंग और आश्रय में मानव जीवन की यात्रा चित्रित की गई है, जसिमें जीवन की दनि-प्रतदिनि की गतविधियं, पशु, आखेट, जंगल में उपयोगी चीजें एकत्रित करना आदि दिखथि गथि है।
- उल्लेखनीय है कथि भीमबेटका रॉक पेंटिंग और आश्रय भारत में यूनेस्को की वशिव धरोहर रॉक साइट है। यह प्रागैतहिसिक रॉक पेंटिंग और रॉक शेल्टर के लथि बहुत लोकप्रथि है।
- आर्कथिलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडथि की कार्बन डेटिंग प्रक्रथि के अनुसार भीमबेटका की रॉक पेंटिंग 30 से 35 हजार वर्ष पुरानी है। प्रसदिध पुरातत्त्ववदि वशिणु श्रीधर वाकणकर ने 1957-58 में नागपुर की यात्रा के दौरान वधिय पर्वत श्रेणी में भीमबेटका की खोज की थी।
- हाल ही में जथिलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडथि की टीम ने भीमबेटका से एक फॉसिल की खोज की है, जो करीब द्वाई करोड़ वर्ष पुराना है। इस प्रकार के फॉसिल यूक्रेन, रूस और चीन में भी मल्लि हैं।